http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 12

प्रयागराज गुरुवार 26 सितम्बर 2024

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रुपया

रेल पर्यटन को नया आयाम देता “गर्वी गुजरात”

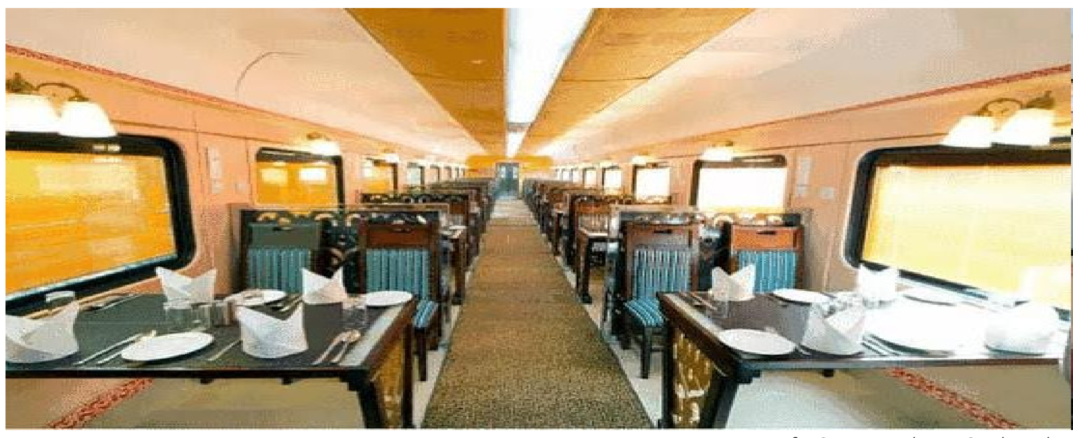

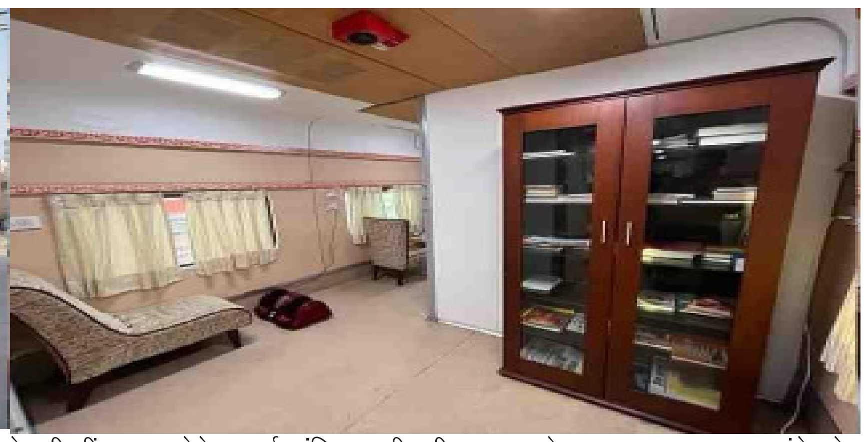

- ट्रेन में एसी-1, एसी-2 और एसी-3 श्रेणी के कोच , कुल 150 पर्यटक सफर कर सकेंगे।
- 2 अक्टूबर को पर्यटक साबरमती आश्रम जाएंगे
- गर्वी गुजरात भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन के रूट में पहली बार वडनगर को शामिल किया गया है, वडनगर में कीर्ति तोरण, हाटकेश्वर मंदिर और रेलवे स्टेशन होंगे मुख्य आकर्षण।
- देश भर में 24 राज्यों में 180 से अधिक भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेनों का संचालन किया जा चुका है।

नई दिल्ली। देशवासियों को गौरवशाली ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक विरासत के दर्शन कराने एवं पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय रेल के अधीन आने वाले इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन (आईआरसीटीसी) द्वारा देश में समय–समय पर भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेनों का संचालन किया जाता है। इसी कड़ी में आईआरसीटीसी द्वारा ष्गर्वी गुजरातष भारत गौरव डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। गर्वी गुजरात भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेन 1 अक्टूबर, 2024 को दिल्ली से रवाना की जाएगी। यह ट्रेन पर्यटकों को गुजरात के प्रमुख आध्यात्मिक और विरासत स्थलों पर ले जाएगी। पहली बार इस ट्रेन के रूट में गुजरात के वडनगर को भी शामिल किया गया है। ष्गर्वी गुजरातष भारत गौरव डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन कई अत्याधुनिक यात्री सुविधाओं से लैस है। इस ट्रेन में यात्रियों के खानपान के लिए दो डाइनिंग रेस्टोरेंट एवं एक आधुनिक रसोई। इसके कोचों में शॉवर क्यूबिकल, सेंसर–आधारित वॉशरूम फंक्शन और एक फुट मसाजर की भी सुविधा हैं। पूरी तरह से वातानुकूलित इस ट्रेन में फर्स्ट एसी, सेकंड एसी और थर्ड एसी की सुविधाएं उपलब्ध हैं। ट्रेन में हर कोच में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं और सुरक्षा गार्ड की भी व्यवस्था है। इस ट्रेन की क्षमता 150 यात्रियों की है। पर्यटक इस टूरिस्ट ट्रेन में दिल्ली सफदरजंग, गुड़गांव, रेवाड़ी, रींगस, फुलेरा, अजमेर रेलवे स्टेशन पर चढ़ और उतर सकते हैं। ष्गर्वी गुजरातष भारत गौरव डीलक्स एसी टूरिस्ट ट्रेन का पूरा सफर 10 दिनों का है। इस दौरान पर्यटक इस ट्रेन के माध्यम से सोमनाथ, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, द्वारकाधीश मंदिर और पावागढ़ में महाकाली मंदिर जैसे प्रसिद्ध मंदिरों के दर्शन कर सकेंगे। इसके अलावा यह पर्यटकों को ऐतिहासिक कीर्ति तोरण (वडनगर), मोढेरा सूर्य मंदिर, रानी की वाव और दीव किला जैसे विरासत स्थलों पर भी ले जाएगी। दिल्ली से रवाना होने के बाद इस ट्रेन का पहला स्टॉपेज अहमदाबाद होगा, जहां पर्यटक 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के अवसर पर साबरमती आश्रम जा सकेंगे और अक्षरधाम मंदिर का दौरा कर सकेंगे। इसके बाद ट्रेन का अगला गंतव्य विश्व प्रसिद्ध मोढेरा सूर्य मंदिर, रानी की वाव और मोढेरा–पाटन में सहस्त्रलिंग तालाब होंगे। इसके बाद यह ट्रेन गुजरात के वडनगर पहुंचेगी, जहां पर्यटक हाटकेश्वर मंदिर, कीर्ति तोरण और शर्मिष्ठा झील जैसे दर्शनीय स्थलों दौरा कर सकेंगे, साथ ही प्रसिद्ध वडनगर रेलवे स्टेशन को भी देख सकेंगे। वडनगर के बाद ट्रेन का अगला गंतव्य वडोदरा होगा। पर्यटक वडोदरा से एक दिन के भ्रमण के दौरान पावागढ़ हिल्स में महाकाली मंदिर (शक्ति पीठ) और चंपानेर पावागढ़ पुरातत्व पार्क (यूनेस्को) का दौरा करेंगे। इसके बाद ट्रेन केवडिया रेलवे स्टेशन जाएगी। केवड़िया सरदार वल्लभ भाई पटेल की दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा ‘स्टैच्यू ऑफ यूनिटी’ के लिए प्रसिद्ध है। यहां पर्यटकों को लेजर शो भी दिखाया जाएगा। केवड़िया के बाद ट्रेन का अगला गंतव्य सोमनाथ होगा। ट्रेन वेरावल रेलवे स्टेशन पर पहुंचेगी और पर्यटक सोमनाथ मंदिर और सोमनाथ समुद्र तट पर जाएंगे। ट्रेन का अगला स्टॉपेज दीव होगा, जहां पर्यटक दीव किला, आईएनएस कुकरी और समुद्र तटों पर जाएंगे। ट्रेन का अंतिम स्टेशन द्वारका है, यहां यात्री द्वारकाधीश मंदिर, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग और बेट द्वारका जा सकेंगे। यात्रा के 10वें दिन ट्रेन वापस दिल्ली लौट आएगी। इस पूरी यात्रा में पर्यटक लगभग 3,500 किलोमीटर का सफर करेंगे। गौरतलब है कि भारतीय रेल द्वारा पर्यटन को बढ़ावा देने के मकसद से भारत गौरव पर्यटक ट्रेनों का संचालन शुरू किया गया है। लगभग तीन वर्षों के दौरान देश भर में 24 राज्यों में 180 से अधिक भारत गौरव टूरिस्ट ट्रेनों का संचालन किया जा चुका है और 80,000 से अधिक यात्री इनमें सफर कर चुके हैं। रेलवे द्वारा देश में विभिन्न रूट्स और सर्किट्स पर इन ट्रेनों का संचालन किया जाता है।

इनमें से कुछ निम्न हैं दृ

भारत–नेपाल मैत्री यात्रा
श्री रामायण यात्रा
चार धाम यात्रा
बौद्ध सर्किट पर्यटक ट्रेन
बाबा साहेब अंबेडकर यात्रा
7 ज्योतिर्लिंग यात्रा
दिव्य दक्षिण दर्शन यात्रा
पुरी–गंगासागर भव्य काशी यात्रा
जैन यात्रा भारत गौरव पर्यटक ट्रेन
पुरी–कोलकाता गंगासागर यात्रा

जम्मू क्षेत्र की सीटों पर कांग्रेस का अच्छा प्रदर्शन जरुरी: उमर

श्रीनगर,(एजेंसी)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को उम्मीद जताई कि कांग्रेस चुनाव प्रचार के दौरान जम्मू क्षेत्र पर पूरा ध्यान केंद्रित करेगी और एक अक्टूबर को होने वाले तीसरे चरण के चुनाव के दौरान इन सीटों पर अच्छा प्रदर्शन करेगी। श्री अब्दुल्ला ने यह

टिप्पणी कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बुधवार को चुनावी रैलियों को संबोधित करने के लिए जम्मू–कश्मीर आने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए की। उन्होंने श्रीनगर में मीडियाकर्मियों से कहा, ”कांग्रेस कश्मीर में क्या करती है, यह महत्वपूर्ण नहीं है, कांग्रेस जम्मू में क्या करती है, यह महत्वपूर्ण है। दुर्भाग्य से, कांग्रेस ने जम्मू के मैदानों में उतना काम नहीं किया है, जितना हम उनसे उम्मीद करते थे।“ जम्मू–कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ”यह अच्छी बात है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी चुनाव प्रचार के लिए जम्मू–कश्मीर आ रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि कश्मीर में एक या दो सीटों पर प्रचार करने के बाद श्री राहुल जम्मू पर ध्यान केंद्रित करेंगे।“ उन्होंने कहा कि जम्मू में गठबंधन की सीटों का बड़ा हिस्सा कांग्रेस पार्टी को दिया गया और फिर भी जम्मू में कांग्रेस का अभियान गति नहीं पकड़ पाया। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पार्टी को विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में भी अच्छे मतदान की उम्मीद है। गौरतलब है कि केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 61 प्रतिशत मतदान हुआ था। श्री अब्दुल्ला गंदेरबल और बडगाम विधानसभा क्षेत्रों से चुनाव लड़ रहे हैं, जहां दूसरे चरण के लिए मतदान हो रहा है।

योगी यूपी के गेमचेंजर: धनखड़

- 24 घंटे अपनी सरकार पर नजर रखते हैं, नोएडा में सीएम के साथ उपराष्ट्रपति ने ड्रम बजाया

नोएडा,(एजेंसी)। ग्रेटर नोएडा में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इंटरनेशनल ट्रेड शो का इनॉगरेशन किया। उन्होंने सीएम योगी के साथ वियतनाम के कलाकारों से मुलाकात की। इस दौरान उपराष्ट्रपति ने स्टिक उठाई और सीएम योगी को थमा दी।

फिर दोनों ने ड्रम बजाया। धनखड़ और योगी ने ई–रिक्शे से कार्यक्रम में लगे स्टॉल्स का निरीक्षण किया। कलाकारों से बातचीत की। सीएम ने ट्रेड शो में 70 देशों से पहुंचे इनवेस्टर्स का स्वागत किया। उपराष्ट्रपति ने सीएम योगी की तारीफ की। उन्होंने कहा– सीएम योगी यूपी के गेमचेंजर हैं, जिन्होंने स्थितियों को बदल दिया है। उपराष्ट्रपति ने कहा– मैं आश्चर्यचकित हूं कि वह 24 घंटे अपनी सरकार पर नजर रखते हैं। जीरो टॉलरेंस की नीति ने यूपी को उत्तम प्रदेश बनाया है। यहां करप्शन पर लगाम लगाई जाती है। यूपी में जो कुछ भी हुआ है। वो योगी मल्टीप्लायर–योगी इफेक्ट और योगी इम्पैक्ट से हुआ है। सीएम बोले– देश के अंदर सबसे ज्यादा 75 जीआई टैग यूपी के पास वहीं, सीएम योगी ने कहा– इस ट्रेड शो में यूपी के सभी जिलों के उद्यमियों के प्रोडक्ट हैं। करीब 96 लाख एमएसएमई यूनिट यूपी के 75 जिलों में हैं। यह कृषि के बाद सर्वाधिक रोजगार सृजित करने वाला क्षेत्र है, लेकिन प्रोत्साहन न मिलने के अभाव में ज्यादातर बंद होने की कगार पर पहुंच गए थे। 2017 के बाद इस दिशा में काम किया गया। आज देश के अंदर सबसे ज्यादा 75 जीआई टैग यूपी के पास हैं। इवेंट 5 दिनों तक यानी 29 सितंबर तक चलेगा। यूपी में बिजनेस को प्रमोट करना ट्रेड शो का लक्ष्य है। इस बार करीब 10 हजार करोड़ रुपए का व्यापार होने की उम्मीद है। महायज्ञ भारत

में हो रहा है। ये महायज्ञ विकसित भारत के लिए हो रहा है। इसकी पूर्ण आहुति आजादी की शताब्दी का महोत्सव जब 2047 में होगा, तब होगी।

इसलिए हर किसी को आहुति देनी है। आहुति देने के लिए संकल्प की आवश्यकता है कि हम भारतीय हैं, भारतीयता हमारी पहचान है। हम राष्ट्रीयता को राजनीतिक और व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं भुला सकते हैं। इंडिया वर्ल्ड में हैपिनिंग देश है। इसमें यूपी सबसे महत्वपूर्ण है। मेक इन इंडिया ने सक्सेस रिजल्ट दिए। नोएडा यूपी की इकोनॉमी में अहम रोल अदा करता है। यूपी में जो कुछ भी हुआ है। वो योगी मल्टीप्लायर–योगी इफेक्ट और योगी इम्पैक्ट से हुए हैं। नोएडा ग्लोबल सिटी के रूप में विकसित हो रहा है। यह फेवरेट डेस्टिनेशन बनता जा रहा है। उपराष्ट्रपति ने कहा– मुझे बहुत खुशी हुई कि यहां ट्रेंघ्ड शो में वियतनाम की शो केस था। उनकी GDP बहुत अच्छी है। वो राइट प्लेस में है।

पीडीपी के बिना कोई सरकार नहीं बनेगी: महब्बोबा मुफ्ती

जम्मू,(एजेंसी)। पीडीपी अध्यक्ष महब्बोबा मुफ्ती आरएस पुरा में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि जम्मू–कश्मीर में बेरोजगारी सबसे ज्यादा है। पहले कोई अपराध नहीं होता था लेकिन अब स्थिति बदल गयी है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि यह आपको तय करना है कि आप इससे कैसे बाहर निकलना चाहते हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि अगर डॉक्टर हमें अच्छा इलाज नहीं दे रहा है तो हमें उसे बदल देना चाहिए।

बेटियों के चेहरे पर तमाचा : जयराम

- पीएम महिलाओं की सुरक्षा से ज्यादा सत्ता को देते हैं प्राथमिकता

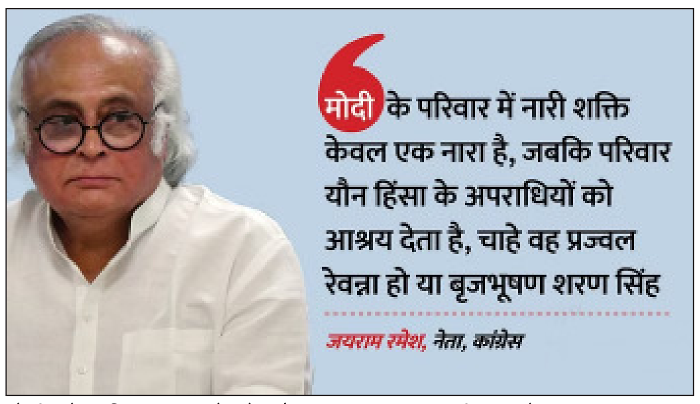

गुरुग्राम,(एजेंसी)। जयराम रमेश ने कहा कि मोदी ने लगातार बेटियों को निराश किया है। महिला पहलवानों के खिलाफ उनके जघन्य अपराधों के लिए बृजभूषण शरण सिंह को दंडित करने के बजाय, भाजपा ने कैसरगंज लोकसभा सीट से उनके बेटे को टिकट देकर पुरस्कृत किया। हरियाणा में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं जिसके लिए पांच अक्तूबर को मतदान किया जाएगा और आठ अक्तूबर को नतीजे आएंगे। मतदान से पहले सियासी दलों के नेताओं का एक दुसरे पर वार पलटवार जारी है। सभी दल अपने पक्ष में मतदान करने की अपील करने के साथ ही विपक्षियों पर निशाना साध रहे हैं। इसी कड़ी में कांग्रेस ने बुधवार को दावा किया कि हरियाणा के किसानों का भाजपा से पूरी तरह भरोसा उठ चुका है। साथ ही कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से कहा कि वह राज्य के किसानों को बेहतर जीवन सुनिश्चित करने के लिए अपनी पार्टी का एजेंडा बताएं। किसानों का भाजपा से उठा भरोसा– जयराम प्रचार करने के लिए पीएम मोदी के हरियाणा जाने के दौरान, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री से सवाल पूछे। रमेश ने पूछा कि क्या प्रधानमंत्री के पास तीन कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के विरोध के बाद उनके द्वारा की गई प्रतिबद्धताओं के बारे में कोई अपडेट है, जिन्हें अब निरस्त कर दिया गया है? उन्होंने कहा हरियाणा के किसानों का भाजपा से भरोसा पूरी तरह उठ चुका है। कांग्रेस ने कहा कि जब कृषि कानून वापस लिया गया था, तो किसान सरकार द्वारा उनकी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिए जाने के बाद चले गए थे। लेकिन समय के साथ, मोदी सरकार की किसान संगठनों के साथ बातचीत धीमी पड़ गई और सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी ने फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के सवाल पर विचार–विमर्श करने के लिए एक समिति नियुक्त की, जिसमें से एक स्वतंत्र सदस्य ने तुरंत इस्तीफा दे दिया। किसानों पर लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले छोड़ेश कांग्रेस ने आगे कहा कि विश्वासघात के बाद किसान संगठनों को अपनी आवाज उठाने के लिए एक बार फिर सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर होना पड़ा। उनकी बात सुनने के बजाय, सरकार ने उन पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले छोड़े। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस ने लगातार स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों के अनुसार एमएसपी पर कानूनी गारंटी, साथ ही कृषि ऋण माफी और 30 दिनों के भीतर फसल बीमा का भुगतान करने का वादा किया है।

उस तरफ बैठे लोग किसान नहीं, वे व्यवस्था बिगाड़ना चाहते है: मनोहर लाल खट्टर

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। खट्टर ने कहा कि यह बड़ा मसला है। सीमा पर पंजाब का रास्ता बंद है। हमने इस रास्ते को खोलने की सारी योजना बना ली थी। लेकिन उस तरफ बैठे लोग किसान नहीं हैं। किसानों की आड़ में ये चंद लोग हैं जो व्यवस्था को बिगाड़ना चाहते हैं, सरकार को अस्थिर करना चाहते हैं। आप भी जानिए ये कौन हैं। केंद्रीय मंत्री और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अंबाला शहर में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि शंभू सीमा को बंद करना एक बड़ा मुद्दा है। खट्टर ने आरोप लगाया कि सीमा के दूसरी ओर किसान होने का दिखावा करने वाले व्यक्तियों का उद्देश्य व्यवस्था को बाधित करना और सरकार को अस्थिर करना है। अपने बयान में खट्टर ने कहा कि यह बड़ा मसला है। सीमा पर पंजाब का रास्ता बंद है। हमने इस रास्ते को खोलने की सारी योजना बना ली थी। लेकिन उस तरफ बैठे लोग किसान

नहीं हैं। किसानों की आड़ में ये चंद लोग हैं जो व्यवस्था को बिगाड़ना चाहते हैं, सरकार को अस्थिर करना चाहते हैं। आप भी जानिए ये कौन हैं। खट्टर ने आगे कहा कि आज हरियाणा के लोग खुश हैं कि उन्होंने ऐसे लोगों को यहां पैर नहीं रखने दिया। खट्टर ने कहा कि मामला फिलहाल अदालत में है और सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित एक समिति समाधान पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि मुद्दा जल्द ही सुलझ जाएगा। हालाँकि, पहले हुई अराजकता को देखते हुए, अदालत सीमा को फिर से खोलने से पहले कुछ शर्तें लगा सकती है। वहीं, मनोहर लाल खट्टर ने विश्वास जताया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) आगामी हरियाणा विधानसभा चुनाव में विजयी होगी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा में सरकार बनाएगी। मीडिया से बात करते हुए, खट्टर ने कांग्रेस द्वारा किसी मजबूत विपक्ष या गठबंधन के प्रयासों की कमी का हवाला देते हुए इस बात पर जोर दिया कि भाजपा फिर से सरकार बनाने की राह पर है।

वैश्विक लोकोमोटिव विनिर्माण केंद्र बनने की ओर अग्रसर भारत, मढ़ौरा संयंत्रमें बने रेल इंजनों का होगा अफ्रीकी देशों को निर्यात

- बिहार के मढ़ौरा संयंत्र से पहली बार निर्यात किए जाएंगेअत्याधुनिक लोकोमोटिव।
- मढ़ौरा प्लांट वर्ष 2025 में इवोल्यूशन सीरीज ES43AC उपलोकोमोटिव का निर्यात शुरू करेगा।
- भारतीय रेलवे और वैबटेक का एक संयुक्त उद्यम हैवैबटेक लोकोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड।

नई दिल्ली। भारतीय रेल और वैबटेक केसंयुक्त उद्यम बिहार में स्थित मढ़ौरा संयंत्र में अफ्रीकी देशों को निर्यात करने के लिए अत्याधुनिक लोकोमोटिव का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए वैबटेक लोकोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड द्वारा अपने संयंत्र की क्षमताओं का विस्तार किया जा रहा है।

मढ़ौरा प्लांट द्वारा पहली बार निर्यात के लिए लोकोमोटिक का निर्माण किया जाएगा।मढ़ौरा प्लांट वर्ष 2025 में लोकोमोटिव का निर्यात शुरू करेगा। मढ़ौरा प्लांट द्वारा वैश्विक ग्राहकों को इवोल्यूशन सीरीज ES43ACmi लोकोमोटिव की आपूर्ति की जाएगी। मै43 ।ब्उप लोकोमोटिव में 4,500 HP इवोल्यूशन सीरीज का इंजन है, जो अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ ईंधन दक्षता और उच्च तापमान वाले वातावरण में बेहतरी प्रदर्शन करता है। यह परियोजना रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण है। यह संयुक्त परियोजना न केवल भारत को वैश्विक लोकोमोटिव विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करती है, बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के ष्आत्मनिर्भर भारतष दृष्टिकोण के अंतर्गत ष्मेक इन इंडियाष और ष्मेक फॉर द वर्ल्डष पहलों के अनुरूप है। रेल मंत्रालय और वैबटेक के बीच सार्वजनिक–निजी भागीदारी की सफलता ने मढ़ौरा संयंत्र को विश्व स्तरीय वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित किया है। अब तक इस प्लांट में लगभग 650इंजनों का निर्माण किया जा चुका हैऔर इन लोकोमोटिव्स को भारतीय रेल द्वारा उपयोग किया जा रहा है। विदित हो कि मेक इन इंडिया नीति को बढ़ावा देते हुए वर्ष 2018 मेंबिहार के मढ़ौरा में 70 एकड़ में इस संयंत्र की स्थापना की गई थी। इस संयंत्र की स्थापना भारतीय रेल के लिए 1,000 अत्याधुनिक लोकोमोटिव निर्माण के लिए की गई थी। मढ़ौरा संयंत्र से भारतीय रेल को प्रति वर्ष 100 लोकोमोटिव की आपूर्ति की जा रही है।

खुद की उंगलियां

भारत में धर्मांतरण विरोधी कानूनों, नफरत फैलाने वाले भाषणों और धार्मिक अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों के घरों और प्रार्थना स्थलों को ध्वस्त करने के मामलों में चिंताजनक वृद्धि हुई है।अंतरराष्ट्रीय धार्मिक स्वतंत्रता पर विदेश विभाग की वाषिर्क रिपोर्ट पेश करते हुए अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिकन ने ये बातें कहीं। उन्होंने दुनिया भर में लोगों की धार्मिक आजादी की रक्षा के लिए काफी जद्दोजहद करने की भी बात उठाई।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के 28 में से 10 राज्यों में धर्मातरण पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून हैं, जिनमें से कुछ राज्य विवाह के उद्देश्य से जबरन धर्मातरण के खिलाफ दंड भी लगाते हैं। इसमें दुनिया के तकरीबन दो सौ देशों की धार्मिक स्थिति का आकलन किया गया है।हालांकि भारत इसे पहले से ही खारिज करता रहा है और इसे प्रकाशित करने वाले आयोग को पक्षपाती बताता है। सिखों, ईसाइयों, यहूदियों, मुसलमानों, दलितों और आदिवासियों के खिलाफ हिंसा से निपटने में मोदी सरकार की नाकामी की बात कर रही है यह रिपोर्ट।इसमें 2023 में गैर– सरकारी संगठनों ने ईसाइयों के खिलाफ हिंसा की 687 घटनाओं का जिक्र भी किया गया है। जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने, मणिपुर हिंसा, ईसाइयों पर हमले, चर्च में तोड़–फोड़ और धर्मातरण कानून के तहत हिरासत में रखे लोगों की चर्चा भी है।चीन, ईरान, रूस, सऊदी अरब, अफगानिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और बर्मा के साथ भारत का नाम रखे जाने पर सरकार द्वारा जताई गई आपत्ति उचित है। कहना गलत नहीं है कि मोदी सरकार अपनी हिन्दुत्ववादी विचारधारा के चलते बहुसंख्यकों को प्रभावित करने में सफल है।

इसलिए हर साल अमेरिका को इस पर पुनरू विचार करने की बात करने की बात कर रस्मादायगी कर लेती है, जबकि सरकार को अंतरराष्ट्रीय पटल पर अपनी छवि सुधारने के प्रयास करने चाहिए। संविधान कहता है कि भारत धर्मनिरपेक्ष राज्य है और धार्मिक आजादी मौलिक अधिकार है।इसलिए सभी धर्मावलंबियों की सुरक्षा का दायित्व सरकार का है। वहीं अमेरिका में अेतों को लेकर जो पक्षपात होते हैं, उनकी अनदेखी नहीं की जा सकती। दूसरों पर उंगली उठाते हुए, खुद की तरफ मुड़ी उंगलियां भी देखनी होंगी।

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय
ज्योतिष विभाग
लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुलाः आज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिकः आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनुः आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकरः आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्घ्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभः आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीनः आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

सामाजिक समरसता के पुरोधा पं. दीनदयाल

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जन्म 25 सितंबर, 1916 को उत्तर प्रदेश की पवित्र ब्रजभूमि मथुरा में नगला चंद्रभान नामक गांव में हुआ था। बचपन में एक ज्योतिषी ने इनकी जन्मकुंडली देख कर भविष्यवाणी की थी कि आगे चलकर यह बालक एक महान विद्वान एवं विचारक बनेगा, एक अग्रणी राजनेता और निरूस्वार्थ सेवाव्रती होगा मगर ये विवाह नहीं करेगा। उनका राजनैतिक विचार अंत्योदय है और जीवन दर्शन एकात्म मानववाद है ।

एकात्म मानवदर्शन पंडित दीनदयाल उपाध्याय द्वारा प्रतिपादित एक अद्वितीय सामाजिक और आर्थिक दर्शन है, जो भारतीय परंपराओं और सांस्कृतिक मूल्यों के आधार पर एक संतुलित समाज की परिकल्पना करता है। यह दर्शन पश्चिमी आर्थिक और राजनीतिक विचारधाराओं के विरोध में, भारतीय समाज के लिए एक वैकल्पिक मार्ग प्रस्तुत करता है, जो समाज, व्यक्ति, और प्रकृति के बीच समन्वय और संतुलन पर आधारित है। एकात्म मानवदर्शन प्राचीन वैदिक अद्वैतवादी अवधारणा है। पण्डित दीनदयाल उपाध्याय का मत है कि व्यक्ति परिवार समाज राष्ट्र से लेकर परमेष्टि के मध्य एकात्मता है। छोटे से जीव से लेकर सम्पूर्ण परमेष्टि को दुख न देकर उसके कल्याण का भाव एकात्म मानववाद है। व्यक्ति अपनी माता और पिता के व्यक्तित्व का विस्तार होता है ।माता–पिता, भाई–बहन पत्नी और बच्चों को मिलाकर परिवार बनता हैं। पड़ोसी, रिस्तेदार, मित्र, सहपाठी और सहकर्मी आदि से मिलकर समाज बनता है।

डा० बिपिन पाण्डेय
लेखक भारतीय जनता पार्टी के प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के संयोजक हैं।

एक तरह के लोगों के समाज होता है। अनेक परिवारों से समाज बनता है। कई समाज भौगोलिक और सांस्कृतिक रूप से मिलकर एक राष्ट्र का निर्माण करते हैं। देश विशुद्ध रूप से भौगोलोक इकाई है जबकि राष्ट्र भौगोलिक के साथ साथ सांस्कृतिक इकाई है। नदियों पर्वतों वृक्षों और देश को जीवन्त मानकर श्रद्धा भक्ति का भाव होना राष्ट्रीयता है। भारत एक राष्ट्र है और भारत माता के प्रति श्रद्धा राष्ट्रीय अभिव्यक्ति है। अनेक राष्ट्र मिलकर एक विश्व बनाते हैं। हमारी पृथ्वी हमारा विश्व है। एकात्म मानवदर्शन में व्यक्ति और समाज के बीच गहरे अंतर्संबंध को समझाया गया है। उपाध्याय जी के अनुसार, व्यक्ति और समाज एक दूसरे से अलग नहीं हैं, बल्कि दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। व्यक्ति समाज का हिस्सा है और समाज व्यक्ति के विकास के लिए आवश्यक आधार प्रदान करता है। इसलिए, व्यक्ति और समाज का विकास एक साथ होना चाहिए। यह दर्शन भारतीय परंपराओं में वर्णित चार पुरुषार्थों – धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष – पर आधारित है। उपाध्याय जी के अनुसार, जीवन का उद्देश्य केवल भौतिक समृद्धि (अर्थ) या इंद्रिय सुख (काम) प्राप्त करना नहीं है, बल्कि यह धर्म और मोक्ष की प्राप्ति के साथ संतुलन में होना चाहिए। व्यक्ति का विकास केवल भौतिक दृष्टि से नहीं, बल्कि आध्यात्मिक और नैतिक दृष्टिकोण से भी होना चाहिए। समाज के विभिन्न अंगों दृ आर्थिक, राजनीतिक, सामाजिक, और सांस्कृतिक दृ के बीच संतुलन आवश्यक है। एकात्म मानवदर्शन के अनुसार, यदि समाज का कोई एक अंग असंतुलित हो जाता है, तो पूरा समाज अव्यवस्थित हो जाता है। उदाहरण के लिए, केवल आर्थिक विकास पर ध्यान देने से समाज में असमानता और नैतिक पतन की स्थिति उत्पन्न हो सकती है ।

एकात्म मानवदर्शन में स्वदेशी पर जोर दिया गया है, जिसका अर्थ है कि आर्थिक और सामाजिक नीतियों का निर्माण देश की पारंपरिक आवश्यकताओं, संसाधनों, और संस्कृति के आधार पर किया जाना चाहिए। आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन को समाज की समृद्धि के लिए आवश्यक माना गया है। इस दर्शन में मानव जीवन के हर पहलू को एक समग्र दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। उपाध्याय जी का मानना था कि पश्चिमी दर्शन में व्यक्ति को केवल भौतिक आवश्यकताओं तक सीमित किया जाता है, जबकि भारतीय दर्शन में व्यक्ति को शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा का एक पूर्ण रूप में देखा जाता है। इस प्रकार, व्यक्ति का विकास समग्र रूप से होना चाहिए। सूर्य की परिक्रमा करने वाला सौर परिवार हमारी सृष्टि हैं। हमारे सूर्य जैसे हजारों सूर्य अपने अपने सौर परिवार के साथ किसी महासूर्य की परिक्रमा कर रहे हैं, और हजारों महासूर्य अपने अपने सौरमण्डल के साथ जिसकी परिक्रमा कर रहे हैं उसे परमेष्टि कहा गया है। यह विश्व पांच तत्त्वों आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी से मिलकर सृष्टि बनी हैं। इन पांच तत्त्वों से मिले वनस्पति, वृक्ष, नदी, पर्वत, सरीसृप, पशु, पक्षी ,सूर्य, चन्द्रमा नक्षत्र आदि इस सृष्टि के अंग हैं। सब मे एक तरह की आत्मा का निवास है। पिण्ड और ब्रह्माण्ड की में सामानुभूति देखना ही एकात्म मानववाद है। वनस्पति पेड़ पौधे पशु पक्षी और सभी मनुष्यों को पीड़ा न देना और परहित का भाव रखना चाहिये। उदार लोग सम्पूर्ण पृथ्वी को ही अपना परिवार मानते हैं। व्यक्ति परिवार, समाज, राष्ट्र, विश्व, सृष्टि और परमेष्ठी को मात्र अपना परिवार ही नही मानना अपितु सब मे अभेद देखना ही एकात्म मानववाद है। एकात्म मानवदर्शन में धर्म को जीवन का आधार माना गया है, लेकिन यहाँ धर्म का तात्पर्य धार्मिक अनुष्ठानों या रूढ़िवादी परंपराओं से नहीं, बल्कि नैतिक और आध्यात्मिक मूल्यों से है। उपाध्याय जी ने राजनीति में नैतिकता और धर्म का समावेश जरूरी माना ताकि राजनीति केवल सत्ता और धन का खेल न बन जाए।एकात्म मानवदर्शन का महत्व इसलिए है क्योंकि यह एक ऐसी विचारधारा प्रदान करता है जो व्यक्ति, समाज, और प्रकृति के बीच संतुलन बनाए रखकर एक समृद्ध और स्थिर समाज की रचना करने का प्रयास करता है। यह दर्शन आर्थिक विकास के साथ–साथ नैतिक और आध्यात्मिक विकास को भी महत्व देता है, जो आज के भौतिकतावादी और उपभोक्तावादी युग में एक महत्वपूर्ण संदेश है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एकात्म मानवदर्शन भारतीय संदर्भ में एक अद्वितीय सामाजिक और आर्थिक दर्शन है। यह केवल एक आर्थिक या राजनीतिक विचारधारा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति, समाज और प्रकृति के बीच सामंजस्य और संतुलन को महत्व देता है। यह दर्शन भारतीय संस्कृति और जीवन के नैतिक मूल्यों पर आधारित एक समग्र दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है, जो न केवल भौतिक समृद्धि बल्कि आध्यात्मिक उन्नति के लिए भी आवश्यक है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय का अंत्योदय दर्शन सामाजिक और आर्थिक न्याय पर आधारित एक महत्वपूर्ण सिद्धांत है, जिसका उद्देश्य समाज के सबसे गरीब और पिछड़े वर्गों का उत्थान करना है। ष्अंत्योदयष शब्द का शाब्दिक अर्थ है ष्अंतिम व्यक्ति का उदयष । इसका तात्पर्य है कि समाज में जो व्यक्ति सबसे अधिक गरीब, वंचित और पिछड़ा हुआ है, उसे प्राथमिकता देकर उसके उत्थान के लिए कार्य करना चाहिए। पंडित दीनदयाल उपाध्याय का मानना था कि समाज तब तक वास्तविक विकास नहीं कर सकता जब तक कि समाज के सबसे निचले तबके के लोगों की समस्याओं को हल नहीं किया जाता। उन्होंने भारतीय संस्कृति, नैतिकता, और सामाजिक मूल्यों पर आधारित एक ऐसी आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था का समर्थन किया, जिसमें हर व्यक्ति का कल्याण हो, विशेष रूप से वे लोग जो उपेक्षित और शोषित हैं।

सबसे कमजोर व्यक्ति का उत्थान अंत्योदय दर्शन का केंद्रीय उद्देश्य समाज के सबसे कमजोर और निर्धन वर्ग के जीवन में सुधार करना है। उपाध्याय जी का मानना था कि समाज की प्रगति तब तक अधूरी है जब तक कि अंतिम व्यक्ति को उसका उचित अधिकार और जीवन स्तर न मिल जाए। समाज की सबसे निचली पंक्ति में खड़े व्यक्ति को ऊपर उठाना, सही मायने में समाज का विकास है। अंत्योदय का सिद्धांत यह कहता है कि सभी व्यक्तियों को समान अवसर और न्याय मिलना चाहिए, चाहे वे किसी भी जाति, धर्म या सामाजिक स्थिति के हों। समाज में किसी प्रकार की असमानता या भेदभाव नहीं होना चाहिए। उपाध्याय जी के अनुसार, राज्य और समाज की यह जिम्मेदारी है कि वह सामाजिक, आर्थिक, और शैक्षिक रूप से पिछड़े हुए वर्गों के उत्थान के लिए विशेष प्रयास करें।

अंत्योदय केवल आर्थिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें व्यक्ति और समाज के समग्र विकास का लक्ष्य निहित है। इसमें शारीरिक, मानसिक, नैतिक, और आध्यात्मिक विकास पर जोर दिया गया है। उपाध्याय जी का मानना था कि विकास का मतलब केवल भौतिक सुख–सुविधाओं का बढ़ना नहीं है, बल्कि व्यक्ति के हर पहलू का विकास होना चाहिए।

अंत्योदय का महत्व इसलिए है क्योंकि यह समाज के सबसे वंचित और कमजोर वर्गों के प्रति करुणा और समर्पण की भावना को बढ़ावा देता है। यह विचारधारा उस समय विशेष रूप से प्रासंगिक हो जाती है जब समाज में असमानता और भेदभाव की खाई बढ़ती जा रही हो। अंत्योदय न केवल आर्थिक सुधारों की बात करता है, बल्कि समाज में एक नैतिक और आध्यात्मिक चेतना जागृत करने का प्रयास करता है, जिससे हर व्यक्ति का जीवन समृद्ध हो सके। अंत्योदय पंडित दीनदयाल उपाध्याय का एक क्रांतिकारी विचार है, जो समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान पर केंद्रित है। यह दर्शन बताता है कि समाज की वास्तविक प्रगति तभी संभव है, जब सबसे गरीब और वंचित वर्गों को सशक्त बनाया जाए और उन्हें समान अवसर और न्याय मिले। उपाध्याय जी का अंत्योदय दर्शन भारतीय समाज के लिए एक मार्गदर्शक सिद्धांत है, जो समाज के समग्र विकास और सामाजिक न्याय की दिशा में अग्रसर होने के लिए प्रेरित करता है।

11 फरवरी, 1968 का दिन देश के राजनीतिक इतिहास में एक बेहद दुरूखद और काला दिन है। इसी दिन अचानक पंडित दीनदयाल जी की आकस्मिक मृत्यु हुई। वे मुगलसराय रेलवे स्टेशन (वर्तमान में पंडित दीनदयाल उपाध्याय रेलवे स्टेशन) के निकट चलती रेलगाड़ी में संदिग्ध परिस्थितियों में उनकी मौत हो गयी। पंडित दीनदयाल जी के चाहने वाले और अनुयायी आज भी उस दुर्घटना से आहत हैं।

कानूनों के शीषर्क में ही दंड की प्रधानता

प्रमोद भार्गव

वर्ष 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से आहत होकर अंग्रेजों ने स्वतंत्रता सेनानियों और उनके मददगारों को दंड देने की दृष्टि से अनेक औपनिवेशिक कानून लागू किए थे। इनमें प्रमुख रूप से अंग्रेजी राज का पर्याय बने तीन मूलभूत कानूनों में आमूलचूल परिवर्तन किए गए हैं।

1860 में बने इंडियन पेनल कोड को अब भारतीय न्याय संहिता, 1898 में बने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और 1872 में बने इंडियन एविडेंस कोड को अब भारतीय साक्ष्य संहिता के नाम से जाना जाएगा। इन कानूनों के शीषर्क में ही श्दंड्य की प्रधानता है।

मसलन, इन कानूनों की चपेट में जो भी आएगा उसे दंडित होना ही पड़ेगा। दंड के मनोविज्ञान से ही निर्दोष भयभीत हो जाया करते हैं। इस भय से मुक्ति का प्रावधान करने की दृश्टि से श्न्यायय्र शब्द का प्रयोग कानून के शीषर्कों में किया गया है। न्याय शब्द ही इस अर्थ का प्रतीक है कि यदि आपसे भूलवश कोई अपराध हो भी गया है तो आप न्याय के भागीदार होंगे। फिरंगी हुकूमत ने कानून भारतीयों को अधिकतम दंड देने की मानसिकता से बनाए थे, जबकि कोई भी विधि सम्मत प्रक्रिया दंड की अपेक्षा न्याय के सरोकारों से जुड़ी होनी चाहिए। इसीलिए भारतीय न्याय व्यवस्था के सिलसिले में कहा जाता रहा है कि यहां न्याय नहीं निराकरण होता है। नये कानूनों के लागू होने के साथ दुनिया में सबसे अधिक आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणाली भारत की होगी, क्योंकि अब इनकी आत्मा में भारतीयता निहित कर दी गई है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पांच पण्रकिए थे, इनमें एक प्रण गुलामी की निशानियों को खत्म करना भी था। कानून संबंधी पारित विधेयक उसी परिप्रेक्ष्य में हैं। नये कानूनों के अंतर्गत दंड अपराध रोकने की भावना पैदा करने के लिए दिया जाएगा। नये कानून महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा पर केंद्रित हैं। अब नये कानून में नाबालिग से दुष्कर्म और मॉब लिंचिंग के लिए फांसी की सजा दी जाएगी। राजद्रोह कानून ब्रिटिश सत्ता को कायम रखने के लिए था, इसे अब खत्म किया जा रहा है। कुछ प्रचलित धाराओं की संख्या भी बदली गई है। प्रमुख रूप से अंग्रेजी राज का पर्याय बने तीन मूलभूत कानूनों में आमूलचूल परिवर्तन किए गए हैं। 1860 में बने इंडियन पेनल कोड को अब भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) कहा जाएगा।164 साल पुरानी आईपीसी में 511 धाराएं थीं, जो बीएनएस–2023 में 358 रह जाएंगी। इसमें 21 नये अपराध जुड़े हैं, और 41 धाराओं में सजा बढ़ाई गई है। पहली बार छह अपराधों में सामुदायिक सेवा की सजा जोड़ी गई है। साफ है, पीड़ितों के साथ न्याय पर फोकस किया गया है। 1898 में बने दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) कहा जाएगा। इसमें 47 नई धाराओं के साथ अब कुल 531 धाराएं होंगी। पहले धारा 154 में होने वाली प्राथमिकी नये कानून के तहत धारा–173 में दर्ज की जाएगी। अब पुराने कानून दंड प्रक्रिया संहिता में से श्दंड को हटाकर नागरिक सुरक्षा पर जोर दिया गया है, 1872 में बने इंडियन एविडेंस कोड को अब भारतीय साक्ष्य संहिता के नाम से जाना जाएगा। पुराने कानून में 167 धाराएं थीं, जो अब 170 रह गई हैं। इस कानून को तकनीक और फॉरेंसिक आधार पर तैयार किया गया है ताकि सजा का प्रतिशत 90 प्रतिशत तक पहुंच जाए। बढ़ते साइबर अपराधों के संदर्भ में इस कानून की अहम भूमिका जताई जा रही है।

नये प्रारूप में धारा 150 के तहत आरोपी को सात साल की सजा से लेकर उम्रकैद तक की सजा दी जा सकती है। मॉब लीचिंग यानी उन्मादी भीड़ द्वारा हत्या और हिंसा के लिए अलग से सजा का प्रावधान किया गया है। इसे पंथनिरपेक्ष रखा गया है क्योंकि कभी–कभी चोर को भी भीड़ मार देती है। झारखंड और अन्य कई अशिक्षित क्षेत्रों में महिलाओं को डायन बता कर समूह मार देता है। इन हत्याओं पर अब मॉब लीचिंग कानून लागू होगा। अभी तक ऐसे मामलों में हत्या की धारा 302 और दंगा या बलवा की धाराएं 147–148 के तहत कार्यवाही होती है। नाबालिग से दुष्कर्म या पहचान छिपा कर किए गए दुष्कर्म के आरोप में 20 साल का कारावास या मृत्युदंड का प्रावधान किया गया है। विरोध नहीं करने के अर्थ का आशय सहमति नहीं निकाला जाएगा।

नये कानून में पहली बार आतंकवाद की इबारत को पारिभाषित किया गया है।कोई व्यक्ति देश की एकता, अखंडता, संप्रभुता और सुरक्षा को संकट में डालने के इरादे से कृत्य करता है तो उसे नये कानून के हिसाब से सजा मिलेगी। देश के अस्तित्व को चुनौती देने वाले बाहरी या भीतरी असामाजिक तत्व कानूनी शिकंजे से बचने न पाएं, इसके प्रावधान किए गए हैं। यही कानूनी प्रावधान बृहत्तर सामाजिक हित राज्य को भारत की संप्रभुता, अखंडता तथा राज्य की सुरक्षा से जोड़ते हैं। भारत के विरु द्ध सांप्रदायिक कट्टरता फैलाने और सरकार के लिए नफरत के हालात बनाने में भारत विरोधी विदेशी ताकतें सोशल मीडिया का मनचाहा एवं गलत दुरु पयोग करती हैं, इसलिए नये कानून में देश तोड़ने की कोशिश करने वाली ताकतों पर अंकुश के लिए कठोर प्रावधान किए गए हैं। अतएव स्वतंत्रता के 76 साल बाद भारतीयों को वास्तव में ऐसी प्रणाली मिल गई है, जो दंड की बजाय अधिकतम न्याय पर आधारित है।

बाबाओं ने राष्ट्र के मुख पर कालिख पोता

प्रियंका सौरभ

पिछले कुछ दशकों से उभरने वाले किस्म–किस्म के बाबाओं ने राष्ट्र के मुख पर कालिख पोतने का काम किया है। अपनी अनुयायी स्त्रियों के शारीरिक शोषण, हत्या–अपहरण से लेकर अन्य जघन्य अपराध करने वाले बाबाओं का प्रभाव इस कदर बढ़ता जा रहा है कि आज जनता को तो छोड़िए, सदिच्छाओं वाले राजनेता, अभिनेता, अधिकारी, बुद्धिजीवी इत्यादि वर्ग भी उनसे घबराने लगा है। आखिर, इन बाबाओं के महाजाल का समाजशास्त्र क्या है? इसी तरह सवाल यह भी है कि इनके पीछे जनता के भागने का क्या अर्थशास्त्र और मनोविज्ञान है?

आजकल विभिन्न सामाजिक वगरे में अलग–अलग किस्म के अंधविश्वास प्रचलित हैं। इतने जागरूकता अभियानों के बावजूद आज भी आपको गांव–कस्बों में भूत–प्रेत के किस्से सुनने को मिल जाएंगे। वहीं हायर क्लास के अंधविश्वास अलग हैं। इस क्लास में भी असुरक्षा की भावना कम नहीं है। इस वर्ग के लोग यूं तो अत्याधुनिक होने का दावा करते हैं, लेकिन इसके बावजूद एयरकंडिशंड आश्रमों वाले गुरु ओं के यहां लाखों का चढ़ावा चढ़ाने से लेकर अपनी सफलताध्असफलता की वजह लकी चार्म को मानने से भी गुरेज नहीं करते। ऐसी मान्यताएं भारत ही नहीं, बल्कि विश्व के सभी देशों में पाई जाती हैं।

सवाल उठता है कि समाज में अतार्किक विचारधारा वाले इतने अधिक लोग कहां से आ गए? जवाब है, वह परवरिश और माहौल जो हम अपने बच्चों को देते हैं। शिक्षा व्यवस्था के तहत बच्चों में वैज्ञानिक सोच विकसित करने के उतने प्रयास नहीं हो रहे जितने होने चाहिए। संयुक्त परिवारों का टूटना और नई जीवन शैली का एकाकीपन, यांत्रिकता, तनाव आदि ऐसी स्थिति पैदा कर दी जहां हर व्यक्ति परेशान और बेचौन हो चला है। इन्हीं सामाजिक–मनोवैज्ञानिक स्थितियों के बीच लोग जाने–अनजाने ऐसे बाबाओं की ओर उन्मुख होने लगते हैं, जो लोगों को हर दुरूख–तनाव से छुटकारा दिलाने का दावा करते हैं। लोगों में वहम पैदा कर फायदा उठाने की कला बाजार ने भी सीख ली है।

यही वजह है कि बाजार के जन्म दिए हुए बहुत सारे त्योहार आज परंपरा के नाम पर कुछ दूसरा ही रूप ले चुके हैं। किसी त्योहार पर गहने खरीदने का प्रचलन है तो किसी पर महंगे जानवरों की कुर्बानी देने का। साधारण से रिवाज आज पूरी तरह आर्थिक रंग में रंग चुके हैं। लोग भी इन्हें मानते रहते हैं। बिना महसूस किए कि इससे नुकसान उन्हीं का हो रहा है। छोटे शहरों में आज भी पाखंडी बाबाओं और फकीरों का जाल फैला हुआ है जिनकी नेमप्लेट अक्सर इनके मल्टीटैलेंटेड होने का आभास कराती है। ये अक्सर खुद को ट्रैवल एजेंट (विदेश यात्रा करवाने का दावा), फाइनेंशियल एक्सपर्ट (फंसा हुआ धन निकलवाने का दावा), रिलेशनशिप एक्सपर्ट (प्रेम विवाह करवाने, सौतन से छुटकारा दिलाने का दावा) और मेडिकल एक्सपर्ट (एड्स, कैंसर जैसी बीमारियां ठीक करने का दावा) आदि बताते हैं। कई लोग इनके झांसे में आ भी जाते हैं, और इनका बैंक बैलेंस बढ़ाते हैं।

देश में राजसत्ता–तंत्र अपने सामाजिक–आर्थिक दायित्व निभाने में अपेक्षाकृत पीछे ही रहा। दूसरी ओर, इन बाबाओं द्वारा शिक्षा और स्वास्थ्य से संबंधित कार्य किए जाने लगे। इसके साथ ही भूखों को भोजन से लेकर अन्य सामाजिक कामों में हिस्सेदारी की जाने लगी। इस क्रम में उनकी ओर से समानता का भाव स्थापित करने का काम भी किया जाने लगा। धीरे–धीरे वे लोगों के विवाद–झगड़ों का निपटारा भी करने लगे। ऐसे काम भी करने लगे जो राज सत्ता यानी शासन के हिस्से में आते थे। ऐसे कामों से उनकी लोकप्रियता बढ़ी। उनके कल्याणकारी कामों के तिलिस्म में न केवल गरीब–अभावग्रस्त और कम पढ़ी–लिखी जनता फंसी, बल्कि उनका जादू अपेक्षाकृत संपन्न और शिक्षित लोगों पर भी चला, जो जीवन की विविध जटिलताओं, सामाजिक–मानसिक समस्याओं में उलझे हुए हैं।

इस तरह ये अपने अनुयायी बढ़ा कर सामाजिक वैधता हासिल करते हैं, और उसके बल पर राजनीतिक संरक्षण हासिल करने में समर्थ हो जाते हैं। बाबाओं को राजनीतिक संरक्षण देने के लिए कोई भी राजनीतिक दल पाक–साफ नहीं है। माना जाता है कि राजनीतिक पार्टियां अपना काला धन खपाने–छिपाने के लिए भी बाबा लोगों का इस्तेमाल करती हैं। चूंकि बाबाओं के पास अनुयायियों की अच्छी–खासी संख्या होती है, इसलिए राजनीतिक दलों के लिए वे वोट बैंक का भी काम करते हैं। किसी बात पर आंख मूंद कर विश्वास करने की प्रवृत्ति आज की स्मार्टफोन जेनरेशन से तर्कहीन काम तक करा सकती है। इस वर्ग के लोग आंखें मूंद कर दूसरों का अनुसरण करते हैं, और स्वविवेक का इस्तेमाल करके निर्णय नहीं ले रहे हैं। किसी काम को सिर्फ इसलिए करते हैं, क्योंकि वह सालों से होता आ रहा है, या उसे बहुत सारे लोग कर रहे हैं, और कभी नहीं सोचते कि उसकी उपयोगिता क्या है। दूसरे शब्दों में कहें तो ऐसे लोग सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक और भावनात्मक अंधविश्वासों में जकड़े होते हैं। इन लोगों का आईक्यू बेहद कम होता है, और इन्हें बेहद आसानी से प्रभावित किया जा सकता है। ये रैशनली नहीं सोचते, पर इमोशनली बेहद चार्ज्ड होते हैं। इनके दिल में आसानी से किसी चीज के लिए लगाव या नफरत पैदा की जा सकती है, और ऐसा होने पर ये किसी भी हद तक जा सकते हैं। आंख मूंद कर किया गया विश्वास न सिर्फ इनके लिए, बल्कि दूसरों के लिए भी घातक साबित होता है। कबीर की शिक्षाओं का निचोड़ यही है कि हर तथ्य पर सवाल उठाएं। जब तक खुद उसे परख न लें, तब तक उस पर विश्वास न करें। दार्शनिक प्लूटो ने भी यही कहा है कि शासक हमेशा अनबायस्ड व्यक्ति को ही होना चाहिए। दुर्भाग्य की बात है कि आज बहुत सारे लोग भीड़ का अनुसरण करने की मानसिकता से ग्रस्त हैं।

शिक्षक-शिक्षिका के बीच अश्लील बातचीत का सनसनीखेज खुलासा

कुशीनगर। जनपद के कसया विकास खण्ड क्षेत्र के माधोपुर स्थित पूर्व माध्यमिक विद्यालय के निलंबित प्रधानाध्यापक साजिद अली द्वारा विद्यालय में छात्राओं के साथ छेड़छाड़ करने का मामला भी प्रकाश में आया है। यह सनसनीखेज खुलासा उस आडियो से हुआ है जो इस गांव के प्राथमिक विद्यालय की महिला शिक्षिका के साथ साजिद अली की हुई अश्लील बातचीत का आडियो वायरल हुआ था। हालांकि मामले को गंभीरता से लेते हुए बीएसए डॉ, रामजियावन मौर्य ने खंड शिक्षा अधिकारी की दो सदस्यीय टीम गठित कर मामले की विस्तृत जांच करा रहे है। जानकारों का कहना है कि जांच मे इसकी पुष्टि होने के बाद साजिद अली को अपने नौकरी से हाथ भी धोना पड सकता है। कारण यह कि छात्राओं के जिन्दगी से जुडा मामला है। जिस पर योगी सरकार पहले से सख्त है।

काबिलेगौर कि बीते माह एक वाट्सएप ग्रुप में माधोपुर मठिया स्थित प्राथमिक विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापिका व इसी गांव में संचालित पूर्व माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक साजिद अली के बीच मोबाइल फोन के जरिए अश्लील बातचीत का तकरीबन 28 आडियो क्लिप वायरल हुआ था। जो बाद मे उस ग्रुप से अन्य वाट्सएप ग्रुप और सोशल मीडिया मंच पर खूब प्रसारित हुआ। बताया जाता है कि शुरुआत में आरोपी शिक्षको ने विभाग से मिलकर मामले को मैनेज कर लिया था लेकिन जब यह आडियो मीडिया के हाथ लगी तो मीडिया ने समाज के निर्माता कहे जाने वाले गुरु शब्द को कलंकित करने वाले इन शिक्षको के कुकर्मो को प्रमुखता से उठाया। इसके बाद इन शिक्षको के कारनामे सुन खूब थू–थू हुई। नतीजतन मामले को संज्ञान लेते हुए जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ, राम जियावन मौर्य ने मामले की जांच करायी और खंड शिक्षा अधिकारी के जांच रिपोर्ट मे दोषी पाये जाने के आधार पर महिला शिक्षिका व साजिद अली को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर खंड शिक्षा अधिकारी कप्तानगंज रीता गुप्ता व खण्ड शिक्षा अधिकारी दुदही प्रभात कुमार राय को संयुक्त रूप से इस मामले की सम्पूर्ण जांच कर आख्या प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। यहां बताना जरूरी है कि महिला अध्यापिक व पूर्व माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक साजिद अली के बीच विद्यालय मे मोबाइल फोन के जरिए हुई अश्लील बातचीत के करीब 28 आडियो वायरल हुए थे। वायरल आडियो में तमाम आडियो ऐसे है। जिसमें दोनो शिक्षको ने अश्लीलता की सारी हदे पार कर दी है। जिसे सार्वजनिक स्थल अथवा घर मे बिना ईयरफोन लगाये नही सुना जा सकता है। फिर भी हमारा प्रयास है कि मर्यादा मे रहते हुए आडियो का कुछ अंश का खुलासा करे ताकि जांच अधिकारी को इस पूरे प्रकरण की जांच करने मे सहुलियत मिले।

प्रदेश की पहली शेड्यूल एयरलाइन शंख एयर को मिली एनओसी

नई दिल्ली, । उत्तर प्रदेश की पहली"बीमकनसमक एयरलाइन बनने की ओर अग्रसर शंख एयर ने मिनिस्ट्री ऑफ सिविल एविएशन से अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) प्राप्त किया एवं अपने लॉन्च तैयारियों में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाया है। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री, श्री किंजरापु राममोहन नायडू और सचिव नागरिक उड्डयन – श्री वुमलुनमंग वुअलनाम द्वारा समर्थित छव्ब, एक शेड्यूल एयरलाइंस लॉन्च की तैयारी का मार्ग प्रशस्त करती है।शंख एयर का लक्ष्य उत्तर प्रदेश की प्रमुख पूर्ण–सेवा एयरलाइन बनना है, जो विश्वसनीयता, सामर्थ्य और ग्राहक–केंद्रित सेवाओं पर ध्यान देने के साथ यादगार यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए समर्पित है। नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अपने प्रमुख केंद्र के साथ, शंख एयर की योजना उत्तर प्रदेश के मुख्य शहरों, देश के

जल्द ही ऊँची उड़ान भरने को तैयार

मेट्रो एवं अन्य शहरों से जोड़ने और खद्दुद को क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और आर्थिक विकास के लिए मुख्य स्रोत के रूप में स्थापित करने की है।

एयरलाइन के शुरुआती मार्गों में उत्तर प्रदेश के प्रमुख गंतव्य जैसे लखनऊ, वाराणसी और गोरखपुर के साथ–साथ देश के मेट्रो जैसे दिल्ली, मुम्बई, कोलकत्ता, बेंगलुरु, हैदराबाद एवं चेन्नई शामिल होंगे। यात्रियों को सुगम यात्रा अनुभव प्रदान करने हेतु शंख एयर राज्य के भीतर कनेक्टिविटी पर जोर देने के लिये परिचालन अगले साल की शुरुआत तक शुरू करने की आशा कर रहा है।शंख एयर की भविष्य में आने वाली सेवायें एवं विकास से जुड़ी गतिविधियों की आधिक जानकारी हेतु आप हमारी वेबसाइट www-shankhair-com को देख सकते हैं।जैसे–जैसे एयरलाइन अपनी पहली उड़ान के शुभारम्भ की करीब पहुँच रही है, उत्तर प्रदेश की एविएशन इतिहास में एक नए युग की उम्मीदें बढ़ रही हैं।

18	जोन-08 वार्ड-19 अंदावा अबुसा में जी०टी० रोड से भैया राम मकान होते हुए रामबली भारतीया के मकान तक सी०सी० सड़क नाली निर्माण कार्य।	51.14	1.02	6018	60 दिवस
19	जोन-08 वार्ड-45 छतनाग देव नगर में राघवेन्द्र कुमार झा के मकान से पिन्टू सिंह के मकान, अमित मिश्रा तक होते हुये देव नगर रोड तक सी०सी० सड़क का सुधार कार्य।	45.14	0.90	5310	60 दिवस
20	जोन-08 वार्ड-45 छतनाग एम०डी० कान्वेंट स्कूल से बांके निषाद के घर से बिशंबर पुरी के मकान से राम सिंह घर तक सी०सी० सड़क व नाली का निर्माण कार्य।	45.11	0.90	5310	60 दिवस
21	जोन-08 वार्ड-45 छतनाग न्याय नगर नायका शिव नगर कालोनी अनिल कुमार के मकान से सुरेश भारतीय के घर तक तथा सहायक गलियों में सी०सी० सड़क नाली का निर्माण कार्य।	54.97	1.10	6490	60 दिवस
22	जोन-08 वार्ड-45 छतनाग मायापुरी में डॉ सौम्य प्रभात के घर से बी०के० आनंद घर और लिंक चार सड़के सी०सी० नाली का निर्माण कार्य।	42.42	0.85	4956	60 दिवस
23	जोन-08 झूँसी वार्ड-45 छतनाग नारायण दास का पुरा लीलापुर रोड विजय लाल के घर से राम मिलन यादव के घर से बंसीलाल कुशवाहा के घर तक सी०सी० सड़क नाली का निर्माण कार्य।	46.09	0.92	5428	60 दिवस
24	जोन-08 झूसी वार्ड-25 मलावा मलावा कसेरूवा कलों गांव मे आंतरिक मार्ग का सी०सी० द्वारा निर्माण कार्य।	127.48	2.55	11800	75 दिवस
25	जोन-08 वार्ड-50 कटका तुलापुर में मगलम रिसोट से चुलापुर शुलभ शौचालय तक सी०सी० रोड व नाली का निर्माण कार्य।	80.44	1.61	9440	75 दिवस
26	जोन-08 वार्ड-50 कटका में अर्शफी लाल मार्केट से इण्टरलॉकिंग टाईल्स रोड तक सी०सी० रोड व नाली का निर्माण कार्य।	40.50	0.81	4720	45 दिवस
27	जोन-08 वार्ड-50 कटका विष्णुपुरी कालोनी राजेश कुमार यादव धमेन्द्र के मकान तक तथा सहायक गलियों में सी०सी० रोड व नाली का निर्माण कार्य।	31.73	0.63	3776	45 दिवस
28	जोन-08 वार्ड-50 कटका में लक्ष्मीकांत के मकान से सुरेशचंद मिश्रा के मकान होते हुए पुरानी जी०टी० रोड तक एंव आनन्द कुमार पाण्डेय के मकान तक सी०सी० रोड व नाली का निर्माण कार्य।	30.89	0.62	3658	45 दिवस
29	जोन-08 वार्ड-50 कटका में रामबाबू के मकान से पारस के मकान तक तथा मन्ना के मकान से अशर्फी लाल के मकान तक सी०सी० सडक नाली का निर्माण कार्य।	10.81	0.22	1298	30 दिवस
30	जोन-08 वार्ड-52 हवेलिया गंगादीप कालोनी में पानी की टंकी से छेदी लाल के प्लाट तक सी०सी० सड़क व नाली का निर्माण कार्य।	47.49	0.95	5546	60 दिवस
31	जोन-08 वार्ड-52 हवेलिया संगम विहार कालोनी में लल्लू मार्केट के पास सुखराम के मकान से शिव कान्त त्रिपाठी के मकान होते हुए सुनील गौड़ के मकान तक तथा प्रभू नाथ उपाध्याय के मकान से तोयश त्रिपाठी के मकान तक व सुखराम के मकान से कान्हा जनरल स्टोर तक सी०सी० रोड, पटरी व नाली का निर्माण कार्य।	42.03	0.84	4956	60 दिवस
32	जोन-08 वार्ड-52 हवेलिया संगम विहार कालोनी में विजय गेस्ट हाउस से लाल चन्द होते हुए शिव मन्दिर तक तथा सहायक गलियों में सी०सी० सड़क व नाली का निर्माण कार्य।	34.16	0.68	4012	45 दिवस
33	जोन-08 वार्ड-52 हवेलिया संगम विहार कालोनी में आनन्द सिंह के मकान से आर०एन० सिंह के मकान तक और माही जनरल स्टोर से शरद श्रीवास्तव के मकान तक सी०सी० मार्ग का निर्माण कार्य।	33.86	0.68	4012	45 दिवस
34	जोन-08 वार्ड-75 झूसी कोहना आवास विकास योजना-3 सेक्टर-4 में सिसोदिया भवन से अरविन्द कुमार तिवारी के मकान तक तथा विवेकानन्द पार्क के चारों तरफ सी०सी० रोड व नाली, का निर्माण कार्य।	27.92	0.56	3304	45 दिवस
35	जोन-08 वार्ड-75 झूसी कोहना आवास विकास योजना-2 बी०एल० श्रीवास्तव के मकान से बाबा समोशा तक तथा सरदार बल्लभ भाई पटेल पार्क के चारो तरफ सी०सी० रोड व नाली का निर्माण कार्य।	41.10	0.82	4838	60 दिवस
36	जोन-08 वार्ड-75 आवास विकास योजना-3 गांधी पार्क चारो तरफ तथा अजीत सिंह से रामलीला पार्क तक सी०सी० रोड नाली निर्माण कार्य।	28.13	0.56	3304	45 दिवस
37	जोन-08 वार्ड-75 में आवास विकास योजना-3 में जन्माष्टमी पार्क के चारो तरफ व जन्माष्टमी पार्क से गांधी पार्क तथा अक्षर जनरल स्टोर से आकर्षत कला केन्द्र तक सी०सी० रोड नाली निर्माण कार्य।	52.88	1.06	6254	60 दिवस
38	जोन-08 वार्ड-85 आजाद नगर मल्हान टोला में शीतला माता मन्दिर के पास आन्तरिक गलियों में सी०सी० रोड व नाली का निर्माण कार्य।	44.25	0.89	5192	60 दिवस
39.	जोन-08 वार्ड-85 आजाद नगर नगर निगम, मार्केट के सामने साई माता मन्दिर से मुश्ताक के मकान तक एवं डा० महबूब आलम के मकान से बंसत शर्मा के मकान तक सी०सी० रोड व नाली का निर्माण कार्य।	28.30	0.57	3304	45 दिवस

नोट-निविदा का विवरण उत्तर प्रदेश की ई-निविदा प्राक्योरमेंट की बेबसाईड http://etender.up.nic.in पर अपलोड की जा रह शेष नियम व शर्ते एवं निविदा का विवरण बेबसाईड पर देखी जा सकती है।

मुख्य अभियन्ता
नगर निगम प्रयागराज

पत्रांक : सं०डी-3313/ज०सम्प०अधि०/2024, दिनांक 24.09.2024

वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक गुड्स का अतुल ने कार्यभार ग्रहण किया

प्रयागराज। अतुल यादव ने उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मण्डल में वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धकगुड्स का पदभार ग्रहण किया, इससे पूर्व वह उत्तर मध्य रेलवे के प्रधान कार्यालय में उप मुख्य परिचालन प्रबंधकयोजना के पद पर कार्यरत थे। अतुल यादव 2011 बैच के आईआरटीएस अधिकारी हैं। उन्होंने स्नातक की शिक्षा ग्वालियर से ली है। 2012 में पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल में सहायक मण्डल परिचालन प्रबंधक के पद पर कार्य शुरू किया था। इसके बाद पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मण्डल में मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मण्डल में मण्डल परिचालन प्रबंधक गुड्स, झांसी मण्डल में मण्डल परिचालन प्रबंधक गुड्स, झांसी मण्डल में वरिष्ठ मण्डल संरक्षा अधिकारी के पद पर भी कार्य किया।

देश निर्माण में युवाओं का सबसे बड़ा योगदान

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में "राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस–24

सितंबर" के उपलक्ष्य में मंगलवार को एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें बतौर मुख्यवक्ता इविवि के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक प्रो. राजेश कुमार गर्ग ने स्वयंसेवकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सभी देशों के निर्माण में वहां के युवाओं का सबसे बड़ा योगदान होता है। आजादी के बाद एस राधाकृष्णन की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने शैक्षिक संस्थानों में स्वैच्छिक राष्ट्रीय सेवा शुरू करने की सिफारिश की थी। इस पर केंद्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड ने जनवरी, 1950 में अपनी बैठक में विचार किया। तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने इस विषय पर संज्ञान लिया और फिर शिक्षा मंत्री सम्मेलन में राष्ट्रीय सेवा योजना का मसौदा पेश किया गया। इसके तहत 28 अगस्त, 1959 को एक राष्ट्रीय सेवा समिति की स्थापना की गई। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम की शुरुआत तत्कालीन शिक्षामंत्री डॉ. वी.के. आर.वी. राव ने 24 सितंबर, 1969 को 37 विश्वविद्यालयों में की थी। इस अवसर पर अतिथियों और स्वयंसेवकों का स्वागत कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रुचि दुबे ने किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. मनीष कुमार गौतम ने संचालन किया। डॉ. रवीन्द्र प्रताप सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

संविधान सम्मान सम्मेलन को सफल बनाए।

प्रयागराज। बुधवार को चौक स्थित कार्यालय में महानगर कांग्रेस कमेटी

की बैठक महानगर अध्यक्ष प्रदीप मिश्र अंशुमन की अध्यक्षता करते हुए। संविधान सम्मान सम्मेलन को सफल बनाने का आग्रह किया। उन्होंने फूलपुर विधानसभा उपचुनाव मे अपनी मजबूत दावेदारी प्रस्तुत करने की बात कही। प्रदेश सचिव इमरान खान,राजेश राकेश,दिवाकर भारतीय, लल्लन पटेल,विनय पांडेय राम मनोरथ सरोज,जितेन्द्र नायक,अजेंद्र गौड़ ,सतीश केसरवानी, फरहान खान, विष्णु कांत पांडेय, फहीम खान,दिलीप पटेल,राज कुमार शुक्ला, श्याम जी शुक्ला,राजेंद्र अग्रवाल,साहिन फातिमा, प्रतिमा त्रिपाठी,मुन्ना यादव, अब्दुल कलाम आजाद, विशाल सोनकर, शकील अहमद, भरत लाल, संतोषनंद महाराज, अब्दुल सकूर, नफीस कुरैशी, सचिन, प्रदीप वर्मा, विकास कौशल, मोहम्मद जावेद उपस्थित रहे।

अहंकार ही विनाश का मूल कारण है- बटुक जी

प्रयागराज। श्रीप्राचीन दधिकान्दो मेला कमेटी कृष्णा नगर त्रिवेणी मार्ग कीडगंज के द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिवस पर ज्ञान पुस्तकालय कीडगंज में कथा का रस पान कराते हुए पंडित बटुक महाराज ने कहा कि अहंकार ही मनुष्य का पतन का मूल कारण है जब किसी को

अपनी ताकत अपना धन अपने ज्ञान या अपने किसी वस्तु व्यक्ति गुण पर अहंकार हो जाता है तो आप समझ लीजिए उसका पतन का आरंभ हो चुका है फिर चाहे वह मनुष्य हो या देवता या फिर दैत्य हो उसका अविनाश निश्चित है भगवान श्री कृष्ण ने इंद्र का अहंकार तोड़ गोवर्धन पर्वत का महत्व बताया और बकासुर, अघासुर,पूतना जैसे राक्षसों का वध कर उनका अहंकार तोड़ा और दुनिया को संदेश दिया मनुष्य चाहे जितना बड़ा क्यों ना हो जाए अगर उसने अहंकार किया तो उसका विनाश सुनिश्चित है क्योंकि अहंकार ही विनाश का मूल कारण है मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि आज की कथा में नंद महोत्सव,श्री कृष्ण बाल लीला, गोवर्धन पूजा की लीला का वर्णन किया गया इस अवसर पर 56 भोग प्रसाद का भोग भगवान श्री कृष्ण को लगा। महापौर गणेश केसरवानी, विधायक हर्षवर्धन बाजपेई, पूर्व छात्र नेता अंकुश शर्मा, अधिवक्ता शुभम वैध, मनीष केसरवानी कृष्णा साहू,अजय जायसवाल लल्लन जायसवाल, अमरेश जायसवाल, हिमालय सोनकर, ईलू केसरवानी, मुकेश कसेरा, सतेन्द्र तिवारी लाल भाई, मनोज मिश्रा,राजेश गुप्ता श्रवण किया।

इविवि, सेन्टर ऑफ फूड टेक्नोलॉजी: स्वस्थ भोजन दिनचर्या

प्रयागराज। पोषण माह एक समर्पित अवधि है जहां देश का ध्यान अच्छे पोषण के महत्व पर केंद्रित होता है। यह एक अनुस्मारक के रूप में कार्य करता है कि हम जो भोजन खाते हैं वह केवल जीविका नहीं है बल्कि एक सशक्त जीवन जीने के लिए एक महत्वपूर्ण घटक है। इस संबंध में एफएफसीटीआई इलाहाबाद चौप्टर के सहयोग से खाद्य प्रौद्योगिकी केंद्र में राष्ट्रीय पोषण माह–2024 मनाया जा रहा है। इस महीने में स्टेबल से परेण थीम पर आधारित कोलाज, रेसिपी से लेकर वाद–विवाद प्रतियोगिता जैसी कई गतिविधियाँ देखने को मिलती हैं। सितंबर माह में गतिविधियाँ अर्थात् ष्स्वस्थ भोजन दिनचर्याष विषय पर कोलाज प्रतियोगिताय ष्पोषण युक्त पकवानष विषय पर रेसिपी प्रतियोगिता और ष्प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ स्वास्थ्यवर्धक नहीं हैंष विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। कोऑर्डिनेटर प्रो. नीलम यादव ने बताया कि खाद्य प्रौद्योगिकी कार्यक्रम के यूजी और पीजी छात्रों ने बड़े उत्साह के साथ कार्यक्रमों में भाग लिया। कार्यक्रम के समापन दिवस पर प्रोफेसर शांती सुंदरम को वाद–विवाद प्रतियोगिता के लिए निर्णायक के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों को पोषण माह के विभिन्न आयोजनों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। समन्वयक प्रोफेसर नीलम यादव ने विजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान किए। कार्यक्रम का आयोजन एएफएसटी (आई) इलाहाबाद चौप्टर के डॉ. देविंदर कौर (सचिव), डॉ. विनीता पुराणिक, डॉ. विनती सिंह और डॉ. एसके चौहान (संकायएएफएसटी सदस्य) द्वारा किया गया था।

पण्डित जी की उपेक्षित प्रतिमा का अनावरण

प्रयागराज। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 108वीं जन्म जयंती पर महापौर गणेश केसरवानी के नेतृत्व में प्रोफेसर रज्जू भैया राज्य विश्वविद्यालय मेडिकल कॉलेज के प्रांगण में पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की प्रतिमा अनावरण का आयोजन किया गया इस अवसर सांसद प्रवीण पटेल विधायक हर्षवर्धन बाजपेई महापौर गणेश केसरवानी भाजपा जिला प्रभारी महेश चंद्र श्रीवास्तव एवं महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा का अनावरण किया और उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया। महापौर गणेश केसरवानी ने कहा कि दुनिया को मानव एकात्मवाद के विचार का

दर्शन देने के लिए बीटी शिक्षा के दौरान इसी स्थान से 1941 में राज्य विश्वविद्यालय में पंडित जी ने मानव एकात्मवाद का ग्रंथ लिखा जो दुनिया को मानवता के लिए एक महान दर्शन प्राप्त हुआ और कहा कि वास्तव में यह स्थान आज तीर्थ स्थल के जैसा है जहां से नौजवानों को राष्ट्र के प्रति कार्य करने की ऊर्जा प्राप्त होगी और कहा कि बहुत जल्द बालसम चौराहे पर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की नई प्रतिमा के साथ भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई और राम भक्त एवं राष्ट्रभक्त पूज्य अशोक सिंघल जी की दिव्य प्रतिमा का अनावरण किया जाएगा जो नौजवानों के लिए राम राष्ट्र के प्रति ऊर्जा का केंद्र बनेगी। प्रभारी महेश चंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि पं. दीनदयाल उपाध्याय जी के दूरदर्शी विचार और समावेशी चिंतन ने आत्मनिर्भर व विकसित भारत की आधारशिला तैयार की है। सांसद प्रवीण पटेल ने कहा कि उनके द्वारा श्अंत्योदयश के सर्वस्पर्शी विचार परंपरा से राष्ट्रोत्कर्ष और जनसेवा के दिखाए गए मार्ग हम कोटिशः भाजपा कार्यकर्ताओं की प्रेरणा है। विधायक हर्षवर्धन बाजपेई ने कहा कि दीनदयाल आजीवन राजनीति में शुचिता व पारदर्शिता के लिए संकल्पित रहे। उनके अंत्योदय के विचार से सामाजिक समरसता को बल मिला। भाजपा महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा ने कहा कि एकात्म मानववाद के प्रणेता पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी की जयंती पर मैं उन्हें स्मरण एवं नमन करता हूँ। जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने जानकारी दी पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की प्रतिमा राज्य विश्वविद्यालय मेडिकल के प्रांगण में स्थापित किए जाने का सुझाव पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ मुरली मनोहर जोशी जी के द्वारा दिया गया था जो 2004 में पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के नेतृत्व में स्थापित किया गया जिसका अनावरण नहीं हो पाया था और बाद में सपा बसपा की कार्यकाल में या प्रतिमा उपेक्षित पड़ी थी जिसका अनावरण आज किया गया इस दौरान राज्य विश्वविद्यालय के सेवा निवृत्त अध्यापक डॉक्टर संतोष कुमार प्रतिमा के अनावरण को लेकर लड़ाई लड़ते रहे। गिरी शंकर प्रभाकर,वरुण केसरवानी गिरजेश मिश्रा, राजेश केसरवानी प्रमोद मोदी ,राजन शुक्ला, पार्षद मुकेश कसेरा ,रूद्र सेन जायसवाल, आकाश सोनकर, रितेश मिश्रा, , सचिन मिश्रा , मीनू पांडे ,मनोज मिश्रा ,आभा भारती, ईशू केसरवानी रहे।

एनसीआर: स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन

प्रयागराज। भारत सरकार के अनुरूप उत्तर मध्य रेलवे ने इस वर्ष

स्वच्छता पखवाड़े (17 सितंबर से 15 अक्टूबर 2024) के दौरान अभी तक कुल 700 इवेंट्स हुए। जिसमे स्वच्छता शपथ, सफाई मित्र अभियान, साइकिल रैली, सघन सफाई, वृक्षा रोपण इत्यादि कार्यक्रम किये जा रहे है. उत्तर मध्य रेलवे में इस पखवाड़े के दौरान कुल 2500 पेड़ लगाये गए। प्रधान मुख्य कार्मिक अधिकारी अनुराग त्रिपाठी, मुदित चंद्रा मुख्य कार्मिक अधिकारी के मार्ग दर्शन में मुख्यालय में निबंध लेखन, स्लोगन, पेंटिंग, गायन आदि विविध धरपर्धाये कल रवहॉल में आयोजित की जा रही है। इनमे लगभग 100 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिताओ में पहली बार रेल गांव कॉलोनी के साफ सुथरे एवं ईको फ्रेंडली आवासों का चयन किया जायेगा तथा सर्वश्रेष्ठ कार्यालय का भी चयन किया जायेगा। सरकारी प्रयासों के साथ–साथ इस अभियान में आम जन की भागीदारी भी अपेक्षित है। उत्तर मध्य रेलवे का यात्रियों से अनुरोध है कि रेलगाड़िया में खाने–पीने का सामान इधर–उधर ना फैलाएं, कूड़ा कूड़ेदान में ही डालें, सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग ना करें, प्लेटफार्म में गीले एवं सूखे कूड़े के लिए अलग–अलग कूड़े दान लगाए गए हैं कृपया सही कूड़ेदान का प्रयोग करें, पान गुटखा खा कर इधर–उधर ना थूकें। महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे उमेश चन्द्र जोशी , अपर महाप्रबंधक जे. एस. लाकरा , प्रधान मुख्य यांत्रिक इंजीनियर अनिमेष कुमार सिन्हा के दिशा निर्देशों के अनुसार कार्यक्रम संपन्न किये जा रहे है।

हाईकोर्ट ने कहा-वकीलों का अभद्र व्यवहार बर्दाश्त नहीं: कोर्ट ने दोबारा गलती नहीं करने, बिना शर्त माफी मांगने पर अधिवक्ता के खिलाफ कार्रवाई समाप्त की

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि वकीलों का न्यायाधीशों के प्रति अशिष्ट व्यवहार की घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हाईकोर्ट ने क्षमा मांगने पर अधिवक्ता के खिलाफ अवमानना कार्रवाई समाप्त तो कर दी परन्तु जिला जज कानपुर नगर को दो साल बाद याची के आचरण को लेकर हाईकोर्ट की रजिस्ट्री में रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति डॉ. गौतम चौधरी की खंडपीठ ने कहा कि वकीलों से अपेक्षा की जाती है कि वे न्यायाधीशों के खिलाफ असंयमित भाषा का प्रयोग करने से बचें। न्यायालय ने आदेश में कहा कि अधिवक्ताओं द्वारा पीठासीन न्यायाधीश के प्रति अभद्र व्यवहार किए जाने की घटनाएं बर्दाश्त नहीं की जा सकतीं। न्यायाधीश केवल सौहार्दपूर्ण वातावरण में ही काम कर सकते हैं। न्यायालय के अधिकारी होने के नाते अधिवक्ता से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह न्यायाधीश के प्रति अभद्र व्यवहार करे या पीठासीन अधिकारी के विरुद्ध असंयमित भाषा का प्रयोग करे। हाईकोर्ट ने यह टिप्पणी एक सिविल जज कानपुर नगर द्वारा योगेन्द्र त्रिवेदी नामक वकील के खिलाफ 4 फरवरी 2023 को भेजे गए संदर्भ पर सुनवाई करते हुए की। अधिवक्ता त्रिवेदी ने पिछले साल हुई एक अदालती कार्यवाही के दौरान कथित तौर पर कोर्ट स्टाफ से एक फाइल छीन ली थी और ट्रायल जज के खिलाफ टिप्पणी की थी। त्रिवेदी पर जज के खिलाफ अनचाही टिप्पणी करने का भी आरोप है। बाद में उन्होंने बिना शर्त माफी मांगी, जब हाईकोर्ट ने सिविल जज के संदर्भ के आधार पर शुरू की गई अदालती अवमानना ध्की कार्यवाही में उन्हें नोटिस जारी किया। हालांकि, न तो हाईकोर्ट और न ही सिविल जज माफी से संतुष्ट थे। इसके बाद मामले को स्थगित कर दिया गया ताकि वकील बेहतर हलफनामा दाखिल कर सकें। इसके बाद त्रिवेदी ने दुबारा फिर बिना शर्त माफी मांगी। हाईकोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान अधिवक्ता कोर्ट में हाजिर हुए और उन्होंने कहा कि वह कभी भी इस तरह की अवज्ञाकारी हरकत नहीं दोहराएंगे। हाईकोर्ट ने अनुरोध स्वीकार कर लिया, लेकिन साथ ही वकील को भविष्य के लिए चेतावनी भी जारी की। हाईकोर्ट ने कहा ष्हम इस मामले में अधिक गंभीर दृष्टिकोण अपनाने के लिए इच्छुक थे, लेकिन इस तथ्य पर विचार करते हुए कि अवमाननाकर्ता एक युवा अधिवक्ता है और उसके द्वारा इस तरह के आचरण का कोई पूर्व आरोप नहीं लगाया गया है, हम उसे सख्त चेतावनी जारी करके वर्तमान कार्यवाही को समाप्त करते हैं। हालांकि, हम यह स्पष्ट करते हैं कि यदि अवमाननाकर्ता की ओर से ऐसा कोई अवांछनीय कृत्य हमारे संज्ञान में लाया जाता है तो यह न्यायालय तत्काल अवमानना ध्की कार्यवाही को फिर से शुरू करेगा और मामले में गंभीरता से विचार करेगा,

प्रयागराज मंडल में ऑनलाइन पेमेंट की सहूलियत बढ़ा रहा रेलवेय मोबाइल से लें टिकट

प्रयागराज। ऑनलाइन टिकट बुकिंग और ऑनलाइन पेमेंट की सुविधा को रेलवे लगातार बढ़ा रहा है। डिजिटल माध्यम से भुगतान कर टिकट लेने को और सुविधाजनक बनाया गया है। प्रयागराज जंक्शन पर सभी अनारक्षित टिकट काउंटरों सहित प्रयागराज मंडल के 79 टिकट काउंटरों पर क्यूआर कोड की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। अब यात्री क्यूआर कोड के माध्यम से भुगतान कर सरलता से टिकट ले सकेंगे। प्रयागराज जंक्शन पर 9, कानपुर सेन्ट्रल 7, अलीगढ़ जंक्शन 5, प्रयागराज छिवकी स्टेशन 3, फतेहपुर, कानपुर अनवरगंज, खुर्जा, फफूंद, टूंडला, दादरी स्टेशन, मिर्जापुर, विन्ध्याचल व शिकोहाबाद स्टेशन पर 2–2 क्यूआर कोड सुविधा दी गई है। इसी प्रकार गोविंदपुरी, चुनार, इटावा, झींझक, पनकीधाम स्टेशन, मानिकपुर, हाथरस, सिराथू, नैनी, नारायणपुर बाजार स्टेशन, पहाड़ा स्टेशन, कैलहट, जीवनाथपुर, गैपुरा, बिरोही, भीरपुर, जिगना, करछना, डगमगपुर, ऊंचडीह एवं झींगुर स्टेशन पर 1–1 अनारक्षित टिकट काउंटर पर क्यूआर कोड से भुगतान की सुविधा उपलब्ध करा दी गई है। वहीं दादरी स्टेशन पर 1 टिकट वितरण में क्यूआर कोड द्वारा यूपीआई ऐप के माध्यम से भुगतान की सुविधा दी गई है।

अतुल यादव ने संभाला वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक का कार्यभार

प्रयागराज। अतुल यादव ने बुधवार को उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मण्डल में वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक गुड्स का पदभार ग्रहण किया। इससे पहले वह उत्तर मध्य रेलवे के प्रधान कार्यालय में उप मुख्य परिचालन प्रबंधक योजना के पद पर कार्यरत थे। अतुल यादव 2011 बैच के आईआरटीएस अधिकारी हैं। उन्होंने स्नातक की शिक्षा ग्वालियर से ली है। उन्होंने 2012 में पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल में सहायक मण्डल परिचालन प्रबंधक के पद पर कार्य शुरू किया था। इसके बाद पूर्वोत्तर रेलवे के वाराणसी मण्डल में मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मण्डल में मण्डल परिचालन प्रबंधक गुड्स, झांसी मण्डल में मण्डल परिचालन प्रबंधक गुड्स, झांसी मण्डल में वरिष्ठ मण्डल संरक्षा अधिकारी के पद पर भी कार्य किया है।

छात्राओं को खून से लथपथ तड़पता देख भड़क गए ग्रामीण, डंपर में लगाईआग, एसीपी से तीखी नोकझोंक

प्रयागराज। मेजा में बेकाबू डंपर द्वारा छात्राओं को रौंदने के बाद मची चीखपुकार सुन मौके पर पहुंचे ग्रामीण खून से लथपथ छात्राओं को देखकर भड़क उठे। इसके बाद उन्होंने डंपर को आग के हवाले कर दिया। इंस्पेक्टर और दरोगा समझाते रह गए लेकिन ग्रामीणों ने एक न सुनी। उनमें चालक के मौके से भाग निकलने को लेकर भी भारी आक्रोश था। बाद में उसे हिरासत में लिए जाने की जानकारी पर वह शांत हुए। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसे के बाद छात्राओं की चीखपुकार मच गई। आसपास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़े और वहां पहुंचकर देखा कि एक छात्रा मृत पड़ी है। जबकि अन्य छात्राएं खून से लथपथ पड़ीं तड़प रही थीं। यह देख ग्रामीण भड़क उठे।वह डंपर की ओर बढ़ने लगे तो मौके पर मौजूद इंस्पेक्टर मेजा व दरोगाओं ने उन्हें रोकने की कोशिश की। हालांकि, आक्रोशित लोगों ने उनकी एक न सुनी। तब तक मौके पर एसीपी मेजा रवि कुमार गुप्ता भी पहुंच गए।उन्होंने समझाना चाहा तो भीड़ में शामिल लोगों ने पहले नोकझोंक और फिर धक्कामुक्की की। इसके बाद पुलिस देखती रह गई और भीड़ में शामिल कुछ लोगों ने पुलिस के सामने डंपर में आग लगा दी। पुलिसकर्मी पानी फेंकने लगे तो उन्हें रोक दिया। फायरब्रिगेड पहुंची तो उसे भी रोकने की कोशिश की। घटनास्थल के पास ही सड़क पर बैठकर जाम लगा दिया। बाद में बहुत समझाने पर शांत हुए। सड़क हादसे में डंपर के नीचे नौवीं की छात्रा सिमरन का हाथ दब गया। 36 मिनट की मशक्कत के बाद पुलिस छात्रा को निकाल सकी। पुलिस ने जैक लगाने के साथ ही उसे बाहर निकालने के लिए जेसीबी की भी मदद ली। इसके बाद छात्रा को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। इस मामले में पुलिस की चूक भी सामने आई। अगर समय रहते मौके पर अतिरिक्त फोर्स बुलाई गई होती तो शायद लोग आगजनी न कर पाते। पांच छात्राओं के डंपर की चपेट में आने की खबर पर न सिर्फ समहन बल्कि आसपास के गांवों के लोग भी जुटने लगे। मेजा थाने की फोर्स लेकर इंस्पेक्टर पहुंचे लेकिन लोगों की संख्या बहुत ज्यादा थी। बाद में कई थानों की फोर्स मौके पर पहुंची लेकिन तब तक डंपर में आग लगाने के साथ ही आक्रोशित भीड़ हाईवे भी जाम कर चुकी थी। आक्रोशित लोगों ने कई सवाल भी उठाए। उनका कहना था कि ओवरलोड वाहन मौत बनकर दौड़ते हैं। लगातार हादसे हो रहे हैं। इसके बावजूद पुलिस प्रशासन चेत नहीं रहा है। सभी का एक ही सवाल था कि ओवरलोड ट्रकों का संचालन क्यों किया जा रहा है। जबकि स्कूल टाइम में ट्रकों के संचालन पर रोक लगाई गई है। आक्रोशित लोगों के सामने पुलिस असहाय महसूस कर रही थी।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेल: amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062